

This manuscript consists of Shri Vishnu Panchayatana Puja Mantra and other Mantras.

The Mantras are,

- 1. Shri Vishnu Panchayatana Puja Mantra**
- 2. Shri Surya Gatha**
- 3. Shri Saraswathi Mantram**
- 4. Shri Vitastha Mantra (by Shri Ratnadhara)**
- 5. Shri Devi Stotram (Skanda Purana)**
- 6. Shri Narayanopanishad**
- 7. Shri Brahmi Vidhya**
- 8. Shri Shuka Stuti (Bhagavata)**
- 9. Shri Narayana Stotram**
- 10. Shri Shankaracharya Stotram**
- 11. Shri Narayana Stotram (by Shri Shankaracharya)**
- 12. Shri Jaya Stotram**
- 13. Shri Shatpadi Stotram**
- 14. Shri Charana Astaka**
- 15. Shri Vasudeva Astakam**

दूमेवमपुण्ड्रमुनेउपे... ठकुन यभम
 भयोलेकनरुपदिपुठकर॥ नभेपमनिप
 नय॥॥॥ नभभियभिनीनखलेपलहउऊ
 तुलभा॥ ठवनीठवभनुपनिचप... मरुन
 मीभा॥॥॥ रुचनरुपसभनीएपाऊरुविन
 मनी॥ प्रसिउमःपरेठपुकरदिपुभुमि

वि.
५५

मय्युद्धमयेभुमुद्धेविभिपुत्रभुद्धिगि॥ यथास
क्रियापेप्रलंगद... परमेष्ठिगि॥॥ पुद्धनेनै
वएनमिनेवएनमिप्रलंगभा॥ विभल्लनं
नएनमिद्धुद्धं पुद्धयेउम॥ पुद्धुद्धपुद्धं
कुद्ध॥ नमेवुद्धं उद्धं भा॥ उद्धमेवुद्धं न
मेवुद्धये नमः यविहै॥ नमेवुद्धं यविहै॥

नमेवुद्धं नमेवुद्धं मय्युद्धयेनमेविधुवेवकुद्धीरु
लिभि ॥ उद्धं नमेवुद्धं नमेवुद्धं नमेवुद्धं नमेवुद्धं
मलेवुद्धं नमेवुद्धं नमेवुद्धं नमेवुद्धं नमेवुद्धं
पुद्धयमवुद्धः प्रीयतं प्रीतभुद्ध ॥ वलिविहीधं
हीधः पुद्धमेवुद्धं नमः सुकः यद्धं वैधुवमे
पुद्धुद्धं नमेवुद्धं नमेवुद्धं नमेवुद्धं नमेवुद्धं

वि.
७३

हेपवीरी। अक्षरविहः। प्रथमभूतेन। धृष्टपितृहः।
महेन। प्रवृद्धभुधपदतेवृद्धं ममर मरं रण
इष्ट३॥ एवमभु॥॥ मरं पविरे विउं पुनं
येन प्रउ भुतिरुधुत नि॥ उत पविरे सुहृत् प्रउ
उतिपभनं पुन तिउम लेकधृष्ट प्रविध
मुलभनं हे तिधुधुदपये भनं मरं लेकभ॥

उं मणउ ॥ प्रकनभट्टदरं भवहृ पिविन
मनभा विधुधमं कं पीह पुनः एवमभुति
उ ॥ मिरभाणयधृष्टभा॥ प्रविउं मिम
यठठठणवकभनपतेः भलद्वीके भमभुत
विधुविधु तिदेउवे ॥॥ उतने भमनधुधुके दय
भादिधं मपि भमकं पयः॥ पिनभं भमवल

वि.
५३

भक्तभक्तलहृत्कषभनक्तिउरुमिः ॥ ५३ ॥

विष्णुपादुयउतप्रणमः ॥ ५४ ॥
विष्णुपादुयउतप्रणमः ॥ ५५ ॥

विष्टिदीनं ॥ सुष्टिदीनं ॥ भक्तदीनं ॥ यक्षुतं ॥ उद्धवम
सिद्धं ॥ भक्तलभभु ॥ अवभभु ॥ सत्रैरेवी ॥ ठगव
उवभुष्टवय ॥ पुषेसन्नं नभः ॥ पुमभनीयं नभः
पुत्रः सत्रैरेवी ॥ ठगवउवभुष्टवय ॥ रुष्टि ॥
यैतिलदिर ॥ उरएउनिष्कर ॥ रुष्टि ॥ पुमभ
हृत् ॥ भक्तभुभउपिउ ॥ उद्धवम ॥ रुष्टि ॥ रुष्टि

वि.
प्र.
५३

कमनिभिउं कलमभीष्ट। तिलभुभा। प्रष्टय।
द्विरभु। धनप्रप्रिभु। परउप्रियेभु। सीवि।
धुः प्रीतेभु।।।। उद्विष्टेः।।।। उतः नैवेष्टे। प्रभा
उयउभा। भवे। या क मिष्टिगिनीरेष्टेभेष्टे।
उरभरः। पिमगीष्टमगीरभाउष्टेवउभेभर।।।।
प्रुभेप्रचवडा। प्रुष्टिष्टेभप्रलभभु।।।। वमभुयवेष्टे

कनभः उद्विष्टे

विष्टेभमीयउं नभनवेष्टेभु। प्रुष्टेभु।।।। मगीर
यष्टेभिष्टुउं ठगवद्वउभद्वभि।।।। प्रपत्रेभिम
रष्टेभिमववभेभिमवम।।।। ठगवभुं प्रभवे।
भिरद्वभं मर।।।। गउभा।।।। विष्टेयः भमभ
विष्टेभं हनवडी नरय।।।। भमभिमवम।
विविष्टुः।।।। केष्टेवद्वनकउं हनवद्विगीली

मष्ट

कृतीदिवसयवप्रचउसहस्रमरुः॥३॥ यस्तुले
 यस्तुकेभारेयेवनेयहुउंभय॥ वयःपरिचरु
 यस्तुयस्तुएकउरेप्रुपि॥४॥ उत्ररयल्ल
 विक्रमभभुगमउप्रुए॥ नीलेदुलमल
 मृभः५॥ दुल्लएलएल॥५॥ ए
 लमयीएगद्विनिः श्रीयउंभभकेसवः॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

वि.
५२

यभिद्रुचयः॥ भवेयभवे भवेयः॥ यच्च
भवभये निहंतं भवेयभवेयः॥ नरायण
भवेय निहंतं मित्रुद्रुचयः॥ यच्च
भुक्तीकः॥ नरायण॥ यच्च॥ मित्रुद्रुचयः॥ यच्च॥
यच्च॥ मित्रुद्रुचयः॥ नरायण॥ यच्च॥
मुक्तमुक्तभाद्रुचयः॥ यच्च॥ मित्रुद्रुचयः॥

ठवरलपिगतं सुद्रुचयः॥ यच्च॥
द्रुद्रुचयः॥ ठवरलपिगतं सुद्रुचयः॥
यच्च॥ यच्च॥ यच्च॥ यच्च॥ यच्च॥
विद्रुचयः॥ यच्च॥ यच्च॥ यच्च॥ यच्च॥
नं॥ यच्च॥ यच्च॥ यच्च॥ यच्च॥
भद्रुचयः॥ यच्च॥ यच्च॥ यच्च॥ यच्च॥

वउर० कुमलपडिउयकुसुम्भप्र
७भा॥३॥प्रपरगमदभूमहुलेपडितंकीभ
इवल्लवेम्ने॥प्रगडिमर० गडिंदरेदुपय
केवलभूमूमहु॥३॥यष्टिडितंमभनभव
मभयमुक्तमहुःकरम्व० पमविसेधितं
म॥यष्ट्रिसमभिवमेप्रदतेभयेवउउद्भन

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

वि.
५३

पुनः पिसमभनलेषुधियः३३॥ एतमुमेठ
वउकेसवहृभमहृष्टेवठकिरमलठठिमरि
लीम॥०१॥ कयेनवमभनमेदियेय १३३३
वाधुठडिभुठवग॥ कगेभियहृ३३कलेपरभ
नगय॥०२॥ येडिभमद्यभि॥०३॥ वैनउयभभउ
केनद्वीहृमयननः॥ मल्लमनृगमपमप॥

लिपधदरेदुविः॥०१॥ दरेदुविः दुरविधुः
एतमभदुदरेदुविः॥ कलधमठयेनधिं
नमभिदरेदुविः॥०१॥ डिनमभिनरय॥
मपदुले कवेभिनरय॥ प्रएनेमम॥
भिनरय॥ नमनिमलेभमभिनरय॥३
हृमष्टयभा॥०१॥ किमभनउगठडभनय

वि.
५३

किं द्रुपं के भुठद्रुपं ॥ नक्ष्त्रीकलत्रयकि
भद्रुपं वं गीम किं उवमनेयभद्रु ॥ ३३ ॥ किं
द्रुपं भवद्रु ॥ नीलमनीलभुतः पीठभुतः क
भलपइ विमलने ॥ के भेद्रु की कभलकभ
गवद्रुलद्रुलक्ष्मीपतिः पविपविभुतवि
३३ ॥ ३३ ॥ मीवभुद्रुवनिद्रुभुद्रुभुद्रु

एवम सीदभुनत्रुगे विद्रुमद्रु ॥ नभेभुत
प्रपद्रुपेठवद्रुवभेवकभुपद्रुपमे ॥ केपद्रुभ
द्रुतने के केवलं भु भिने विन ॥ ३१ ॥ प्रद्रुनत्रु
नयद्रुद्रुद्रुद्रुयपद्रुद्रुद्रुद्रु ॥ ठगवद्रुद्रुभु
नउद्रुयद्रुभिकभुमे ॥ ३३ ॥ यवद्रुयद्रुलगाद्रु
वेद्रुभेवप्रुद्रुभेउभ ॥ ३४ ॥ पिलद्रुयद्रुनिद्रु

[illegible]

कथिकं वामिकं वपिभानं भद्रं मेधराभा॥
यज्ञयेपल्लितं धर्मं उद्धृष्टं मेधराभा॥ ३०॥ प्रव
एतन्नियतिः क्लृप्तिः यथापदेष्टुं उद्धृष्टं॥ उगवद्धृष्टं
भामेन उद्धृष्टं भामिद्धमर॥ ३१॥ यद्धृष्टं यद्धृष्टं
प्रभितुद्धृष्टं नभयद्धृष्टं॥ यद्धृष्टं उद्धृष्टं
कुमेवधर्ममेश्वर॥ ३२॥ यद्धृष्टं यद्धृष्टं

दीनं स यद्गुणं भा । भयं मे न विदुः प्रिं कृतं
 भयं मे न ॥ प्रथमं च ॥ प्रथमं भयं
 कृतं प्रिः भयं प्रथमं प्रथमं कृतं ॥ वि
 प्रथमं प्रथमं प्रथमं प्रथमं प्रथमं प्रथमं
 प्रथमं प्रथमं प्रथमं प्रथमं प्रथमं प्रथमं
 प्रथमं प्रथमं प्रथमं प्रथमं प्रथमं प्रथमं

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

वि.
५५.

गणवमनभमिनुंतीकु मनुंरिनें वदमु
भननुंमनुभनीमणनभा परमुसधकप
हुहु कभुगरविनेंदरियुगलविविपुंसीग
मेनभमि॥॥भनरभु॥॥पुषप्रदु पुषः
सरनभुभुभुभवसरनभम उभापुगद
ठवेनरदरदमिवकर ॥॥ ~ ॥॥

पुषप्रदुगधलिष्ट ॥ तिनभःप्रदय ॥
तिउमयगेउयिविकमतिभुक्तुलिउमभभुभु
भिउविभु॥नदुवृभिमुरवरभकलेकभल्यउ
हुवनभा॥॥॥यतिरनननकरःकरनिक
निरभुतिभिरभदुउः॥लेकलेकलेकःकभ
नरभभुलभुदः॥॥॥प्रतिरेपिउकभलयरः

मं. पुं.

कउपएनसुवूकभिषुननभा॥ममिउमभमु
कुवनःपरदिउनिउउरविल्लयति॥३॥पुपनयति
भकलभिमंकनिउभलपएलंभुउपुकनकठः॥
पुगविऊव/कुविपएनपदुउरकिर॥कुवभवि
उ॥म॥एयतिएगऊकमीपभकलएगएउति
एमिनंनभः॥हमयेभिउठिकभदठलपू

मिनिमूलेठउः॥५॥पुभुभिउमिवाभुभिउठेठिउ
मिवठेठिउउवैकभिना॥भकलंदिम्वरिमुभ
ध्रिभूलयगउकुवनं॥५॥एयतिउविठमयभम
येठलउपपएलभविठउउदष्ट॥उमकएल्लि
मिवएलपिउउठिउभभउयभपु॥१॥भपुभ
पुपुगगवपुकमदुठिउकुवि॥यधुवङ्गेणद

वपिभनरः भापभप्रयउ ॥ उडिप्रीप्रदगवम
 भापुः ॥ ॥ ॥ पुषभरभुतीमुंनिहउ ॥ ॥ ॥ ॥
 उिकरंभवमभु ॥ ॥ भमेयदुभंयमं ॥ वरु ॥ सुभ
 प ॥ सुउभेदुंउंनभभुदं ॥ ॥ नमिभुविहउयभु
 ननुभेदुयभुषा ॥ परंरुदुपरंरुवीनभभुमि
 भरभुगीभा ॥ ३ ॥ मरुपदुलभभुदंमरुदंमभि

उंउषा ॥ भउरंभववलनंनभभुभिभरभुतीभा
 भरभुदुपैरंनभिडिभुलेकेभुमेवउ ॥ यमीयंय
 सुयंभवंनभभुभिभरभुतीभा ॥ ॥ ॥ रदुवलीहु
 धिउइंरीरलनीमभुसोपरं ॥ ॥ ॥ रदुयेयंभुनभिउं
 नभभुभिभरभुती ॥ ५ ॥ भुनपवननलनंभभु
 पुनवठभिनी ॥ ॥ इलेहलननीमेवीभपवनन

३५३

नमस्तुभिमभुंती ॥ १ ॥ कर्तुं सुदृष्टं मेवीभपवन
फलपूरं ॥ एतदीविषयभक्तु नं नमस्तुभिमभ
भुंतीभा ॥ १ ॥ उक्तगुपनवपद्वरु भुमकउठ
वमभभभुंतीभा ॥ २ ॥ उक्तगुलभुनभापमविहं
ककुविमिषुविउनेतिहुतिभा ॥ ३ ॥ भपुद्वरंभुं
वरंवरं ॥ ४ ॥ ककुभभुंतीभा ॥ ५ ॥ पण्डितउक्तपु

प्रेतिपरभंगतिभा ॥ ६ ॥ उक्तिभभुंतीभा ॥ ७ ॥ उ
पविउभुंतीभा ॥ ८ ॥ उक्तिभभुंतीभा ॥ ९ ॥ उक्तिभभुंतीभा
विमिउमिपठिउपउलभुनं सुलेकुलंदिम
हुंरुमभभुंतीभा ॥ १० ॥ उक्तिभभुंतीभा ॥ ११ ॥ उक्तिभभुंतीभा
हुंरीवदिमभभुंतीभा ॥ १२ ॥ उक्तिभभुंतीभा ॥ १३ ॥ उक्तिभभुंतीभा
उंरुभभुंतीभा ॥ १४ ॥ कलिकन्रधदधभभुंतीभा ॥ १५ ॥

॥ ०

वि.
मु.
५

प्रयः प्रयः भुवनमपि निपिलराममुदले
कदमः ॐ देव ॐ कुक्तिप्रक्तिप्रकटनपिसुनभू
मिठरं प्रभुतिः ॥ १० ॥ धर्मधर्मदिपी ० वृत्तमिउव
भतिः मभ्येकमेकपरीपरीकुडकुमीयेरविउ
वमभुतेरेनममुविउमु ॥ १॥ यभीऊनमभ्ये
पप्रमभनपटवः केटयभेययतुः ॥ १॥ सुवतं

मउभूः किलमममभगीमडलेभिन्दुभिष्टुः ॥
भवेभुभुकीनंरालभलप्रभलकुलेनय
सूयतेभवेभुभुकीनंरालभलकुलेनय
मुविउमु ॥ १॥ मभवेभिन्नभवेधरभिदुक्तमले
कमपमप्रपनंपमः ममप्रमेपिप्रुठवतिमुपि
यंभिष्टुयेमुष्टिदेउः ॥ सुष्टुवष्टुभुदु ॐ न

५५. वि.

ठवडिठविनंयडि नपुडि नमः पूगभुउउ
मभुः कानननिठवडनमभुविउमु॥म॥म
उः संभभुभुडिरिगतिरगतीमभुलेभग
हुउउरपिडुपउउरिठवनननीराननय
पुपे॥उरपुः सुकनंविपटिउविपमंवे
मकमीरमंमंउंयननपुडंभुठवभिठवि

नभिनमभुविउमु॥प॥पथैलेकुडुपभलि
गनगगुमभमभुपुएनमीभभुीकठ
नभभुविविममयमंमंठिउमवकेमः॥
सुदहनभुनडंकविवरवमभंयभुवेम
नगीगीरेवीरेकुवकुविलभडिभडिभनेनम
भुविउमु॥प॥नैउंयपुटुवमुडलमनलमि

पिङ्गुलिङ्गमुनिङ्गमुल्लसंभूकगलह
कुटिकुटिलिते ठीधलेकलयत्तभा॥प्रः
भृठउवउभूमालितलगरीदरिद्रमृष्ट्रमृष्ट्र
कल्मषयेठरात्रैठगवतिठवगीर्भनभयुति
उभु॥भउस्तउष्ट्रानभुरुनरकथगीयाउ
नउद्धमद्भ।भक्त्यान - स्थाउउद्यवि

पुनविपद्दुत्तकउठलभा॥ उडुडिंयडिंय
 धंभरठमभभवधुडुषधुडुगभुनैउठल
 नडुल००भपिवभहुनभमुविउमु॥३॥
 उडिमीरउठरविगमिडाविउभुभुंभभाउं
 ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 उडिप्रषरुवीभुंलिष्टउ॥॥ उडिभेमेष्ट॥

२५

ॐ क तिक र प द्म र ये नि भ म त्रि उ पा म य म वि र
ये ॥ क उ म दि ध भ र म य नि व र ॥ उ डु ॥ ल डु
र ये ॥ क ग व त्रि र वि भ क क य न सि नि । नि डु ल
ठ क्रि प र ॥ र य र य र ये वि भ म भ ॥ उ व डु ॥
र म न म दि ध र ॥ ॥ ० ॥ ध र म म भ पि प र य ॥
म डु न डु डु डु डु र ग ॥ ठ व भ ल क डु म भ य म

गी र म भ म डु र ॥ भ क ग ॥ ध य भ नि क डु डु र म
ध म नि क डु न र डु डु न य ॥ र य र य र ये वि भ म भ
उ व डु ॥ र म न म दि ध र ॥ ॥ ३ ॥ ध मि उ र ये र म
वि उ र प रि थ ल म गी र र ॥ रि थ र क म न व र
क वि नि ज डु र डु नि थ न क र ॥ र म म स र क वि
न डु डु र ॥ म क डु ॥ क डि र र य र य र

३
३
३

दिभभभउवद...मन्नमेदिपरे॥३॥उपवनके
किलधदुमनिभुनभल्लनभसुमने॥भगउभउ
ठवउगि...दुःपेनिवरे...भपुएने॥भितक
उपदुएरउदुदउमनप्रतिकभन्नयने एयए
य॥म॥पुउपभउभरयगविमेदिउमेदिउभ
गुदरे॥नवनवउठवउभुरपदिउभचविवि

दिपरे॥एननिमभसुमवकुनिवभिनिसिउम।
गिउए॥एयएय॥५॥प्रविउउपी०मउपुयव।
भिनभइगलेः भदिउदुमयपषन्ननेठगउनि
मल्लवभवमपलउ॥मिनकरकेदिमउप्रउठ
भिनिरउवदभरे॥एयएय॥५॥भभविउमेउ
भनीउभरेपविमंभउ॥मठभापकेदकुविके

एतन्मन्त्रं भक्त्या ध्यात्वा ॥ पुनः पुनः
 विष्णुं कतिपयं कालं ध्यात्वा ॥ एतन्मन्त्रं
 कृत्वा विष्णुं ध्यात्वा ॥ पुनः पुनः
 ये मन्त्रं कृत्वा ध्यात्वा ॥ पुनः पुनः
 विष्णुं कतिपयं कालं ध्यात्वा ॥ एतन्मन्त्रं
 कृत्वा विष्णुं ध्यात्वा ॥ पुनः पुनः

दिपरे ३ ॥ उति मी कृत्वा पुनः लयि मुन भूजं केवी
मुने मम प्रभा ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ति

धैपीउ मयधैधधैठवति॥ पूउगणीयनेरति
 कुउंथपनमयति॥ मयमणीयनेमिवभरु
 उंथपनमयति॥ मयमिभमिठुठिभापम
 पीयनः पडुहुः पउक मरुपउकेः पध
 उकति पउकउपउकेहुः पूपुपुउ॥ मचवे
 मययल्लमलठउ॥ नययल्लमयुष्टमये

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

भिभभद्वनलध्वरधरणभद्रविष्णुभद्रसुर
 उपभधिभित्तिभंदरकरककुभष्ट॥निलय
 उलेभि॥एभभिभद्रज्ञा॥उंउं॥उंउं
 भःसुमिधसुभरत्रिदधसुत्रयेमिधरुतिवि
 दुरेभग॥नधसुरभसुत्रभसुत्रभसुत्रगेए
 एएसुदिएएउभा॥उंउं॥उंउं॥उंउं॥

ॐ
ॐ
ॐ

कुंभचैश्वर भवपूजिठमनेकुंभ॥७॥ परमपदप
रभचैश्वर भवपूजिठमनेकुंभ॥७॥ परमपदप
नीरंरु॥ सुष्टुभि॥ त्रैष्टुभि॥ प्रभलेभि॥ दमभुपद
भभुभयभभभयभुद ॥ ॐतिष्ठन्तीविष्टुभम
पुः ॥ ॥ ~ ॥ ~ ॥ ~ ॥ ~ ॥
॥ ~ ॥ ~ ॥ ~ ॥ ~ ॥ ~ ॥ ~ ॥ ~

ॐ

तिनभैवगय॥७॥ तिसीरभयनमः त्रिपद
रविचररभभुभकीयपुपरभभुगेउभवप्र
मरुद्रिकम॥ मयनठतुवगगिरभाद
कुमुत्रगय॥ पिलगुरेठगवत्रभभु ॥०॥
तिरुद्रुद्रुद्रिभमवतुपिलठिद्रुंमीनं
पदिठगवत्रभभुविज्ञानमंभुपमीतिभभि

ॐ नमः

उगिरभाददसुत्राय ७ पिलगुरेठगवत्रभसे ॥ ३ ॥
भगीवर्धमकभलजनमिउय ॥ डिभुगवलीसुर
सिरः भुडिलसुयेग ॥ उरवलीभापहुता
गिरभाददसुत्राय ७ पिल ॥ ३ ॥ श्रीर
भसकुविरदे विप्रनमिउउदुमयभुयुग
लभुडिवीउभेद ॥ भीउय ॥ उभरगले नि

गभाददसुत्राय ७ पिल ॥ ४ ॥ पुनयित
भसभिव नरवजभाष्टेभनप्रभुभनभभ
७ डिमीन ॥ भकेमरीभितकरगिरभाददसु
त्राय ७ ॥ ५ ॥ श्रीनगरभुभुपवी यत्रउ
रकुष्टनेगः पवनभतुरगंसकुचभ ॥ ६ ॥
उचयकुनिवरेगिरभाददसुत्राय ७ ॥ ७ ॥

न.
मु.
३

उउउगनुगतिरकुकरहुपमेनगाठिमंमि
उवप्रद्विधमंयउः॥५॥मउउभरनेगिरभ
रुहुसुत्ररय॥७॥॥निचमिउठवनउए
ननीमपुउउउमष्टगभनयतिरभुउधि
गहुपुवेभपुवनगिरभरुहुसुत्ररय॥७॥
भरप्रिभनुविउभचमगीरय धिःमीरु॥

॥३॥

कपडिचरंयतिः॥पडिनडिचुवकवप्रिभ
हुउंभुभीमउंभेरुगवउंउगतिः॥७॥यमउ
उष्टनभमपिठेउयपियउपसृतिदिउउ
भपुनः॥विह्रुतिमैउउवयेयषरुमंभभभ
उंकेरुगवदुभीमउंभ॥७॥५॥मेमिउये
नपुगभरभुतीविउउउएभुभंतीभुति

सु.
पु.
३

हमि॥ भलदा॥ ७५॥ सुकुडिनाभुतः भभीठ
धी॥ ७॥ भधठः प्रभीरुतभ॥ ००॥ सुतेमकदि
दडभाप्रवेयिकुविमयमेतेयरुप्रधप्ररुधः
कुङ्कुग॥ ७॥ सुतेमधेउमरुकः भेलदुधीध
ठगवत्तुमंभिम॥ ०१॥ नभभुमैठगवतेष्टभ
यभितेरा॥ ०॥ पप्रल्लुनभयंभेष्टयकुप

धुनकभवभ॥ ०३॥ ॥ ७३॥ सुतेमवदुगलत्ररु
यविधसुते वेमगठेष्टपकुदुमरुदवि
गकुनः॥ ०४॥ ॥ ७३॥ सुतेमवदुगलत्ररु
सुक॥ ०५॥ ॥ ७३॥ सुतेमवदुगलत्ररु
॥ ०६॥ ॥ ७३॥ सुतेमवदुगलत्ररु
॥ ०७॥ ॥ ७३॥ सुतेमवदुगलत्ररु
॥ ०८॥ ॥ ७३॥ सुतेमवदुगलत्ररु
॥ ०९॥ ॥ ७३॥ सुतेमवदुगलत्ररु
॥ १०॥ ॥ ७३॥ सुतेमवदुगलत्ररु

न.
१

भनकंभरे उरुभभभुरेसविनमनपतिउ
दंभभरे धेरुभभनरकरियेकेमवकल
धरुभभभनकभयमीनभनपंऊरुठवभ
गरभभभ॥०॥ लयलयरेवलयभरभ
मनलयकेमवलयविष्टेः लयलक्ष्मीभ
पकभलभभभुउलयमकभरलिष्टेः॥

मु.
पु.
५

ठीरकल्लयवनपमभयः॥ येतुमपथय
मुपस्यस्यः मुद्रुतिउभैरुविधुवेन
भः॥॥ भापधुद्रुवभगीसुरभुयीभय
पद्रुभयभुधेभयः॥ गउवृलीकेरलमक
रकिठिचिउद्रुलिद्रुठगवचुभीमउभ॥३
म्रियः॥ पतिदलपतिः पूरपतिचियं पतिने

विमलः ॥ यस्तु ॥ पममनः ॥ दृष्टं दृष्टं ॥ छेठय
उत्तरः ॥ विक्रिदिदि ॥ दृष्टं गतिगल्लभः ॥
मैमलः ॥ सुवमेनमैः ॥ ५ ॥ उपस्थितेन नभय
मस्थितेन नभय ॥ विक्रिदिदि ॥ दृष्टं गतिगल्लभः ॥
विक्रिदिदि ॥ दृष्टं गतिगल्लभः ॥
मः ॥ ५ ॥ किरउरुन ॥ नृपनि ॥ दृष्टं गतिगल्लभः ॥

सुः
सुः
५

एवमिदं नभय ॥ दृष्टं गतिगल्लभः ॥ नभेनमभेभू
धरयमभूतं ॥ विक्रिदिदि ॥ दृष्टं गतिगल्लभः ॥
निरभुभू ॥ दृष्टं गतिगल्लभः ॥
लिनेभूतेनमः ॥ ५ ॥ यद्वीउनेयदृष्टं ॥ यमीदृष्टं
यद्वीउनेयदृष्टं ॥ यमीदृष्टं ॥
विपुनेतिकल्लभः ॥ ५ ॥

तिनभिनगराय ७७॥ नमः विष्णुनाथाय ॥
 तिनभः परमेश्वरपुत्राय नमः ॥
 निरुद्धलीलाय ॥ गङ्गादीउमक्तिः इति ययम्
 दिनभतुवयत्रपल्लववृक्षे ॥ ० ॥ कुर्ये
 नमः भद्रसिन्धुसिन्धुमेभतभभभुवयपि
 लभद्रुप्रउये ॥ प्रमः पुनः परमदेभिपुसुमे

न.
 सु.
 ३

उंमसिवः ५॥ भंथादिभेदयधरंगिरभ
 दकसुत्राय ७७॥ भित्तुः भद्रभुवनले
 नगदीउपुत्रेभुगनद्रुतिदशिपुउथ
 उमत्रभा ॥ उद्रिष्टभभुलकरंगिरभद्रुद्रु
 वराय ७७॥ पिप्पलपुत्रेभुगवत्रमभु ॥ ०७ ॥ ३
 तिस्रीनगराय ७७॥ भित्तुः भद्रभुलभा ॥ ११ ॥

धर्मरत्नमंगलयवत्तु॥ गौरीरत्नैवमुत्तम
 उगिरभक्तसुत्राय॥ ७॥ मन्त्रे नि
 भक्तिभक्तः सिर्वैधेयस्मीवीरकमुद्रम
 वदितुः भक्तः गुरुद्विभुक्तः गिर
 भक्तसुत्राय॥ १०॥ कम्पवसेधि
 उग्ररत्नप्रकाशनीष्टमुद्रायुक्तसु

[illegible]

तिनमःसिवाय ॥ तिष्ठतिमीध... कदुमध...
यमकिङ्करपटली कउउरुन... रिपीउनभर
...गभमभये ॥ उभय मरुभममउमियम
मभननिवमद्विवमद्वरमिवमद्वररुम
द्वरमुविउम ॥ ७ ॥ पुडिमुत्रयमदलेदि... रि
पुमद्वयमनिउ ॥ पविककमकद... लिउ

कधठरे ॥ मभत्रकभयमीनभनवंकठर
भगरपम ॥ १ ॥ डडिमी म... द...
... ॥ ॥ ॥ ॥
तिनभनराय ॥ ७ ॥ ति... य... वि
... सीकभन... ॥ ... युडिलेकेम
... ॥ ७ ॥ ... वं ॥ ७ ॥

फल गद... मलिउ... मिवय भदभभमोउ भिम
 मिमोपउनिवभमिद्विममद्वरमिवमद्वरदरमे
 दरमुगिउभा॥३॥ ठवठाल्लनभरगल्लनपल्लव
 पुनपरद्वउउउकभमनउकउविउउक
 ठगवउ। गिरिएकरकर... उकरपरमेसुरठ
 यद्विममद्वरमिवमद्वरदरमेद्वरमुगि

उभा॥३॥ मरुमभनठउमभनमउरमूम
 विधमेकलिविगूठठवमुनूठठपठउलभ
 भये। द्वि... द्वियवनिउमिमकरकमिउठ
 मये मिवमद्वरमिवमद्वरदरमेद्वरमुगिउभा
 पद्वममकरयमूललिउंथमूनठनयन
 कूपलिउभा॥ पद्ववउभउंउमुगलिउंथ

ॐ
ॐ

एतयतिकभननेयेगभक्षीरिलेहएतयतिभ
पुरमउभेइवेउकदभुःएतयतिकुवनभिउःम
वनविनमीएतयतिरिममगेउसुउकुउभर
तिः॥७॥एतयदधुएतयमिनुएतयविधुएतय
ययएतययल्लपउनवएतयविमुपउविठे॥
एतयपपदगननुएतयएतयमुगपद॥०॥ॐ

श्रीएतयभेइभभुठभा॥

तिनभेनययय ॥ त्रिपुषधमीभुंनिहउ ॥
 त्रिपुषधयभयययिप्रेमभयभनेमभययिध
 यरभउपुभा ॥ कुतमयं विभुययउयभंभ
 रभापुउतः ॥ ० ॥ मिहपुनीभकरकेपरिभन
 परिठगधदमनके ॥ मीपडिधमरविठेठ
 वठयठीतिष्ठिमेवके ॥ १ ॥ भटुधिठमपगभन

० मुं

षड्वदंनभामिकेनमुं॥भभुंदिउरुःकुमन
भभुंनउरुः॥३॥भभुंमिहिरवउरुवउरुवउ
वउवभुभा॥नरायणपरिधलेठवउठवउ
पठिउठभा॥४॥उमुहनगनगठिमुनरा
राकुनभिउभिउमभिमु॥५॥मुपुठवउठ
वउठवउठकिंठवउठकुः॥५॥रुभेकरु

निरभन॥भनकमिभनीउउविठव॥ठववलि
उलिउरुनवनवनीरुवलेवलयभिहं॥६॥
रुभेकरु॥भभिरभनरवमनरविउगेवि
३॥ठववलिउलिउरुनवनवनीरुवलेव
लयभिहंभा॥७॥रुभेकरु॥भभिरभनर
वमनरविउगेवि३॥ठवरापिभसनभकि

ॐ नमो

२ परमभक्तिमयनयद्वेभे ॥ १ ॥ नरायण कर
मयमरुकरवलिउवकेसरले ॥ ५ ॥ डिध
दमीममीयेहमयभरेलेममवभउ ॥ ३ ॥
डिमीधदमीभुरेभमपुमा ॥ ॥ ॥ ॥
डिपुषमरुपुकेलियाउ ॥ ॥ ॥ डिनेनराय
य ॥ ॥ डिष्टेयंभमपरिठवप्रमठीधुमेदे

डीजभमंमिवविविहिरुउंसगदभा ॥ ६ ॥
डिदंभुउपलठवविपउंवकेभमपुनध
मरुउरविक्रभा ॥ ७ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥
रदलकुंरीपमिधुमदवमभयमगमरु
भा ॥ ८ ॥ भयभगंमयिउभीमिउमवणवकुं
मदपुनधउंसगउरविक्रमे ॥ ३ ॥ श्रीभद्रे

३५

म.
३

नदयवकुसुमसूयमभुद्धिउंनवविलेदि
 उपलवठभा॥लकुलयेपरमभङ्गलभङ्ग
 सुवेवक्केभद॥३॥वक्कवनउरभगभउ
 गेकुलनंभाहुगिभवपमुठिःभुरवद्धि
 कुभी॥भहुतुयत्ररगुरेगुगपदिउंयकु
 केभ॥४॥यक्केपिकविरदएप्रिपरउकेदभ

पुभुनेप्रविरादःपरिरहुउयभा॥रभेउमीय
 कुमकुकुमपकुलिउंवक्केभद॥५॥कलीयम
 भुकविपहुनरुदभभुमेदोभुठिविरदमीनभ
 णठिरउं॥उद्विठिःभुउभमेधनिकभउपे॥
 वक्केभद॥६॥हुनलयेसूठिविभगुभनकिभ
 सुंरुद्रकिठिहुकिविमिनुभगपरेपैः॥संभ

उपस्थी॥ श्रीवद्वत्सल गुरुभक्त्युत्तम
 ईश्वरनारायणवत्सल भक्त्युत्तम॥ श्रीवद्वत्सल
 यशोवर्धनसमभक्त्युत्तम भक्त्युत्तम
 कर्मिना॥ श्रीवद्वत्सल गुरुभक्त्युत्तम
 भक्त्युत्तम गुरुभक्त्युत्तम भक्त्युत्तम
 नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं

वद्वत्सल॥ नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
 नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
 नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
 नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
 नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
 नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं

ॐ भवभरमुत्तमगिरिपविर्कीउभवकिमेवठ
गवाङ्कयवभुमेव॥ इलेकुनषकभन्नभन्मा
ऊनेइयेगीसुरहिकुवनपिपसाकरात्रादेभुव
राङ्कविठेदृतरान्नभाङ्कड्डजवरङ्कठगावल्ल
यवभुमेव॥ कीउठयधूमण्व्रग्ग्तिमेव
झट्टिसूटपरभापरसूरूपभहुँभुठठा

कंभवमुत्तुप्रउंमं वरिमेयठगवप्लयवभुमेव ॥
वभुमेवभुकभिमंविमुने ॥ पूठधितभा ॥ यः ५
० मुक्तिभंयुक्तं विपुलिकं भगमुक्ति ॥ ७ ॥ ॥
शिवभुमेवभुकंभमपुभा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri